गन्ना बकाए पर सरकार के फैसले ने दिखाया असर

थोक भाव प्रति क्विंटल 150 से 450 रुपये तक बढ़ा, व्यापार संघ के मुताबिक चीनी की बढ़ती कीमत है सुधार का प्रतीक

पीयूष पांडेय

नई दिल्ली। गन्ना किसानों के भारी-भरकम बकाये को चुकाने के लिए सरकार द्वारा एक्स मिल न्यूनतम मूल्य 29 रुपये प्रति किलो तय करने का फैसला कारगर साबित हो रहा है। देशभर में चीनी के थोक भाव में प्रति क्विंटल 150 से 450 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई है, जबकि खुदरा बाजार में चीनी का भाव देश में 34 से 40 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है।

सरकार ने एक्स मिल मूल्य तय करने के साथ ही चीनी का बफर स्टॉक बनाने की घोषणा की थी। दोनों घोषणाओं का मकसद चीनी के गिरते दाम को स्थिरता प्रदान करना था, ताकि मिलें निर्धारित 29 रुपये प्रति किलो पर चीनी बेचें और उन्हें पहले के मुकाबले ज्यादा कीमत मिल सके। जिससे वह गन्ना किसानों के 22,000 करोड़ के भारी बकाये के ज्यादा से ज्यादा हिस्से का भुगतान कर सके। मिलों से खुदरा बाजार तक पहुंचने में देश के अलग-अलग हिस्सों में चीनी के दाम 5 से 9 रुपये तक बढ़ गए हैं।

अभी और बढ़ेंगी खुदरा कीमतें : विशेषज्ञों की मानें, तो गन्ना किसानों को सरकार के कदम से सिर्फ इतना अब दाम में जो बढ़ोतरी हो रही है, तो वह एक तरह से सुधार है, जब चीनी की लागत ही औसतन 35 रुपये प्रति किलो है तो उसका 32-34 रुपये में बाजार में बिकना ठीक नहीं।

फायदा है कि उनका बकाया शायद उन्हें जल्द हासिल हो जाए। इससे इतर, एक्स मिल दाम 29 रुपये होने के बावजूद मिलें गन्ना पहले के भाव से खरीद रही हैं। देश में औसतन एक्स मिल के बाद सोमवार को थोक बाजार में चीनी के दाम 3,350 रुपये तक गए हैं। यूपी में यह भाव 3,200 रुपये तक चल रहा है। महाराष्ट्र में भी भाव 3,250 रुपये प्रति क्विंटल हो गए। दिल्ली में चीनी की कीमतें बढ़कर 3,600 से 3,700 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गई है, जबकि अभी चीनी की खुदरा कीमतों में 1 से 1.5 रुपये की बढ़ोतरी और हो सकती है।

अधिक उत्पादन से भाव नीचे : अखिल भारतीय गन्ना व्यापार संघ के मुताबिक, यह कहना गलत होगा कि चीनी के भाव बढ़ रहे हैं या बढ़ गए हैं। असल में चीनी की वाजिब फुटकर कीमत प्रति किलो 40 से 42 रुपये के बीच होनी चाहिए। लेकिन ज्यादा उत्पादन के कारण अभी खुदरा भाव औसतन 35 रुपये के आसपास है।